BSES

मेघालय, सिक्किम की बिजली से रौशन होगी दिल्ली

7400 मेगावॉट के पार जा सकती है इस बार दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड

- पीक पावर डिमांड को पूरा करने के लिए बीएसईएस तैयार

नई दिल्लीः 15 मार्च। इस बार, गर्मियों में दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 7400 मेगावॉट के आंकड़े को पार कर सकती है। पिछले साल दिल्ली की पीक पावर डिमांड 7016 मेगावॉट थी। पिछले साल गर्मियों में बीआरपीएल इलाके में बिजली की पीक डिमांड 3081 मेगावॉट और बीवाईपीएल क्षेत्र में 1561 मेगावॉट थी। इस साल गर्मियों में बीआरपीएल इलाके में पीक डिमांड 3205 मेगावॉट और बीवाईपीएल इलाके में 1642 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है। दिल्ली में हर साल काफी तेज गति से बिजली की मांग बढ़ रही है। मुंबई और चेन्नै के पीक डिमांड को अगर मिला दें, तो भी वह दिल्ली की पीक डिमांड से कम है।

बीएसईएस ने बिजली की बढ़ती डिमांड को देखते हुए इसकी पर्याप्त व्यवस्था कर ली है, ताकि आने वाली गर्मियों में इसके 42 लाख उपभोक्ताओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। एनटीपीसी और दिल्ली के पावर प्लांटों से मिलने वाली बिजली के अलावा, बीएसईएस ने हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, मेघालय और सिक्किम से भी लंबी अवधि के लिए पावर परचेज अग्रीमेंट्स व पावर बैंकिंग अरेंजमेंट्स की हैं। पावर बैंकिंग के माध्यम से बीएसईएस को 865 मेगावॉट बिजली मिलेगी। इसी साल अप्रैल से 100 मेगावॉट विंड पावर भी मिलनी शुरू हो जाएगी। अगर अप्रत्याशित कारणों से बिजली की मांग में और भी इजाफा होता है, तो डिस्कॉम्स शॉर्ट टर्म आधार पर पावर एक्सचेंज से बिजली खरीदेगी।

अपने उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने बड़े पैमाने पर अपने नेटवर्क का सशक्तिकरण और आधुनिकीकरण किया है। बिजली वितरण नेटवर्क के मजबूतीकरण का ज्यादातर काम पूरा हो चुका है और बचा हुआ कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। नेटवर्क को मजबूत बनाने से यह गर्मियों में यह पहले के मुकाबले अधिक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा और बिजली का अधिक लोड भी उठा पाएगा।

उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस ने न सिर्फ बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की है, बल्कि बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाने के लिए वह अत्याधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रही है। इसमें मौसम का अनुमान लगाने वाली तकनीक भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि लोड का लगभग सटीक अनुमान लगाने में तापमान, बारिश, बादल, हवा की गति, हवा की दिशा और उमस आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में टेक्नोलॉजी की भूमिका की बात करते हुए बीएसईएस प्रवक्ता ने कहा कि बीएसईएस एडवांस्ड स्टैटिस्टिकल फोरकास्टिंग मॉडल्स, अत्याधुनिक वेदर फोरकास्टिंग सोल्यूशंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल कर रही है। इसमें आईएमडी–पॉस्को द्वारा उपलब्ध कराई गई विशेषज्ञता का भी उपयोग किया जा रहा है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।